कानपुर, शुक्रवार, 1 मई, 2026
वर्ष: 03, अंक: 108, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड ईरान को इजरायल की चेतावनी...>Pg12
कार्डियोलॉजी संस्थान हुआ पूरी तरह डिजिटल...>Pg03
मूल्य: 2 ₹

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में जबरदस्त उछाल: 1 मई से कीमतें 3 हजार पार

महंगाई का 'गैस अटैक'

19 किलो वाले सिलेंडर में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी, 5 किलो का सिलेंडर भी महंगा, घरेलू उपभोक्ताओं को अभी राहत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर में 1 मई से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (19 किलोग्राम) के दाम में 993 रुपये की भारी वृद्धि कर दी है, जिससे इसकी कीमत कई शहरों में 3 हजार रुपये के पार पहुंच गई है। राजधानी दिल्ली में अब एक 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपये का हो गया है, जो अप्रैल में 2078.50 रुपये था।

इसी के साथ 5 किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 261 रुपये का इजाफा हुआ है। यह सिलेंडर अब 549 रुपये से बढ़कर 810 रुपये का हो गया है। यह छोटा सिलेंडर खासतौर पर कामगार वर्ग और छोटे कारोबारियों के लिए उपयोगी माना जाता है, ऐसे में इस बढ़ोतरी का सीधा असर उनकी जेब पर पड़ेगा।

हालांकि, राहत की बात यह है कि घरेलू उपयोग के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में यह सिलेंडर अभी 913 रुपये में मिल रहा है, जबकि मुंबई में 912.50 रुपये, चेन्नई में 928.50 रुपये और कोलकाता में 939 रुपये की दर बनी हुई है। इस भारी बढ़ोतरी का असर खासतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों पर पड़ने की संभावना है, जहां कमर्शियल गैस का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। लागत बढ़ने के कारण आने वाले समय में खाने-पीने की वस्तुओं के दाम भी बढ़ सकते हैं।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

- 1 मई से लागू हुई नई दरों ने कमर्शियल गैस को अब तक के उच्चतम स्तर के करीब पहुंचा दिया है
- 19 किलो सिलेंडर में 993 रुपये की बढ़ोतरी हाल के वर्षों की सबसे बड़ी वृद्धि मानी जा रही है
- 5 किलो एफटीएल सिलेंडर महंगा होने से दिहाड़ी मजदूर और छोटे उपयोगकर्ता सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे
- होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग व्यवसाय में लागत बढ़ने से मेन्यू के दाम बढ़ने तय माने जा रहे हैं
- घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रहने से सरकार ने फिलहाल आम जनता पर सीधा बोझ टालने की कोशिश की है
- तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय कीमतों और आपूर्ति के आधार पर हर महीने दरों की समीक्षा करती हैं
- लगातार बढ़ती लागत से आने वाले महीनों में महंगाई दर पर भी दबाव बढ़ सकता है

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से राहत, एफआईआर दर्ज कराने की मांग खारिज

- 'इंडियन स्टेट' वाले बयान पर विवाद के बीच हाईकोर्ट का फैसला
- चंदौसी कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका भी हुई निरस्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया। यह मामला उनके उस बयान से जुड़ा था, जो उन्होंने 15 जनवरी 2025 को नए कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के दौरान दिया था।

दरअसल, राहुल गांधी के बयान में 'इंडियन स्टेट' का उल्लेख होने के बाद राजनीतिक हलकों में विवाद खड़ा हो गया था। भाजपा के नेताओं ने इस बयान को देशविरोधी बताते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसी क्रम में सिमरन गुप्ता ने एफआईआर दर्ज कराने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

इससे पहले, सिमरन गुप्ता ने संभल जिले की चंदौसी अदालत में भी निगरानी याचिका दायर की थी, जिसे 7 नवंबर 2025 को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई 8 अप्रैल को पूरी हो गई थी, जिसके बाद अदालत ने अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

शुक्रवार को ओपन कोर्ट में फैसला सुनाते हुए अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया और एफआईआर दर्ज कराने की मांग को अस्वीकार कर दिया। इस फैसले को राहुल गांधी के लिए कानूनी राहत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, उनके बयान को लेकर राजनीतिक बहस अभी भी जारी है और सत्तापक्ष तथा विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने के संकेत नहीं हैं।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

राहुल गांधी ने 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन अवसर पर कहा था कि उनकी विचारधारा पुरानी है और वे लंबे समय से आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई निष्पक्ष नहीं है और देश की संस्थाओं पर कब्जे का आरोप लगाते हुए कहा कि अब उनकी लड़ाई बीजेपी, आरएसएस के साथ-साथ 'इंडियन स्टेट' से भी है।

निजीकरण के खिलाफ मोतीझील में दिखा कर्मचारियों का उग्र प्रदर्शन

सयुंक्त धरना-प्रदर्शन में सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर नगर निगम मुख्यालय मोतीझील में गुरुवार को निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों का गुस्सा खुलकर सामने आया। धरना-प्रदर्शन में सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया और जोरदार नारेबाजी करते हुए नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

धरने के दौरान संघर्ष समिति के नेताओं ने मंच से आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर आउटसोर्स सेवा निगम के गठन के जरिए कर्मचारियों को लाभ देने की बात कही गई है, वहीं दूसरी ओर करीब 5000 सफाई कर्मचारियों को निजी कंपनियों के हवाले करने की तैयारी की जा रही है, जो पूरी तरह कर्मचारी विरोधी कदम है।

नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार नोटिस और पत्र देकर नगर आयुक्त से वार्ता का अनुरोध किया गया, लेकिन अब तक कोई बातचीत नहीं हुई, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है।

आंदोलन तेज करने का ऐलान

धरना स्थल पर मौजूद कर्मचारियों से हाथ उठवाकर सहमति ली गई कि11 मई से 13 मई तक काला फीता बांधकर विरोध दर्ज कराया जाएगा14 मई 2026 को बड़ी आमसभा आयोजित की जाएगीयदि तब भी समाधान नहीं हुआ तो कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया जाएगा संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन की होगी। साथ ही यह भी कहा गया कि इस मुद्दे का असर आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिल सकता है।

जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की मांग

कर्मचारियों ने तय किया कि वे शहर के सभी जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप की मांग करेंगे, ताकि निजीकरण के फैसले को रोका जा सके।

धरने में जयपाल सिंह, रमाकांत मिश्र, हरिओम वाल्मीकि, विनोद रावत, धीरज गुप्ता, कमरुद्दीन, अजीत बाघमार, मुन्ना हजारिया, उस्मान अली शाह, राकेश रावत, मुकेश वाल्मीकि, पिंटू चौधरी, अखिलेश सिंह, बृजलाल भारती, मुन्ना गंगोत्री, सुधाकर मिश्रा, नीलू निगम, मुन्ना पहलवान, नरेंद्र खन्ना, रामगोपाल चौधरी, धर्मेंद्र, रमेश अंबेडकर, रामगोपाल समुद्र, पवन कौशल सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वयंसेवी संस्था ने भरा जुर्माना दो बंदियों को मिली रिहाई

स्वयंसेवी संस्था और विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त पहल से मिला राहत

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिला कारागार, कानपुर नगर में निरुद्ध दो सिद्धदोष बंदियों को मानवीय पहल के तहत रिहा कर दिया गया। ये दोनों बंदी अपनी मूल सजा पूरी कर चुके थे, लेकिन अर्थदंड की राशि जमा न कर पाने के कारण जेल में ही निरुद्ध थे।

जेल प्रशासन के अनुसार, स्वयंसेवी संस्था अपराध मुक्त सामाजिक चिकित्सा समिति, कानपुर नगर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त सहयोग से इन बंदियों का जुर्माना जमा कराया गया। इसके बाद दिनांक 30 अप्रैल को दोनों को विधिवत रिहा कर दिया गया।

जेल अधीक्षक आर.के. पाण्डेय ने बताया कि बंदी मनीष पासी (निवासी गंगागंज, थाना महाराजगंज) को 8 माह तथा बबलू यादव (निवासी बजरिया पुरवा, थाना कोतवाली) को 11 माह के कारावास की सजा हुई थी। दोनों अपनी सजा पूरी कर चुके थे, परंतु जुर्माना अदा न कर पाने के कारण अतिरिक्त अवधि काट रहे थे। रिहाई के समय संस्था के चेयरमैन आशुतोष बाजपेई, कोषाध्यक्ष योगेश बाजपेई, काउंसलर प्रथिक वाजपेई के साथ जेलर मनीष कुमार, अनिल कुमार पाण्डेय और डिप्टी जेलर प्रदीप कुमार सिंह उपस्थित रहे। यह पहल जरूरतमंद बंदियों के लिए बड़ी राहत साबित हुई।

कार्डियोलॉजी संस्थान हुआ पूरी तरह डिजिटल

ई-ऑफिस लागू करने वाला यूपी का पहला चिकित्सा संस्थान बना

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पूरी तरह ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर दी है। इसके साथ ही संस्थान उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा चिकित्सा संस्थान बन गया है, जहां फाइलों से लेकर निर्णय प्रक्रिया तक पूरा काम डिजिटल माध्यम से होगा। संस्थान प्रशासन का दावा है कि नई व्यवस्था से कामकाज में तेजी आएगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और फाइलों के लंबित रहने की समस्या लगभग समाप्त हो जाएगी।

संस्थान के निदेशक डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि ई-ऑफिस लागू होने के बाद अब हार्ड कॉपी फाइलों की आवश्यकता नहीं रहेगी। डिजिटल फाइल तैयार होते ही वह सीधे संबंधित अधिकारी के सिस्टम पर पहुंच जाएगी। पहले जहां फाइलों को एक टेबल से दूसरे टेबल तक पहुंचने में कई दिन लग जाते थे, अब डिजिटल सिग्नेचर के जरिए मिनटों में निर्णय लिया जा सकेगा। नई

> ⇨ **एक क्लिक में निपटेंगे काम, मरीजों के इलाज में भी मिलेगी हाईटेक सुविधा**

व्यवस्था में हर फाइल की ऑनलाइन ट्रैकिंग भी संभव होगी, जिससे यह तुरंत पता चल सकेगा कि कौन सी फाइल किस स्तर पर लंबित है।

संस्थान में मरीजों की सुविधा को भी तकनीक से जोड़ने की तैयारी की गई है। 'आभा' प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है, जिससे मरीजों का मेडिकल रिकॉर्ड, जांच रिपोर्ट और ओपीडी डेटा एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। इससे डॉक्टरों को इलाज में आसानी होगी और मरीजों को बार-बार दस्तावेज ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ई-ऑफिस की खास बात यह भी है कि अधिकारी कहीं से भी लॉगिन कर काम निपटा सकेंगे, जिससे प्रशासनिक कामकाज बिना रुकावट जारी रहेगा।

दादानगर की मेटल फैक्ट्री में भीषण आग, रातभर मचा हड़कंप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

> ⇨ **लपटें देख दहशत में आए लोग, दमकल की कई गाड़ियों ने संभाला मोर्चा**
> ⇨ **एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू, लाखों का सामान जलकर राख**

कानपुर। दादानगर फैक्ट्री एरिया में गुरुवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गोविंदनगर थाना क्षेत्र स्थित विश्वकर्मा मेटल ट्रेडर्स फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। रात करीब 10 बजे फैक्ट्री से उठती ऊंची लपटों और धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके में दहशत फैला दी।

स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर राहत अभियान शुरू किया गया।सूचना मिलते ही फजलगंज फायर स्टेशन से दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग तेजी से फैल रही थी, जिसे देखते हुए फायरकर्मियों ने फैक्ट्री को तीन तरफ से घेरकर पानी की बौछार शुरू की।करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। दमकल विभाग की तत्परता से आग आसपास की इकाइयों तक नहीं फैल सकी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग की चपेट में आने से फैक्ट्री के भीतर रखा भारी मात्रा में सामान जलकर राख हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और मामले की जांच की जा रही है।

साइबर ठगी का बड़ा खुलासा, बैंक अधिकारियों समेत गिरोह पकड़ा गया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में गेमिंग एप के जरिए हो रही साइबर ठगी की जांच के दौरान पुलिस ने एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में निजी बैंकों के चार अधिकारियों समेत आठ साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह 'डिजिटल अरेस्ट' का भय दिखाकर लोगों से ठगी करता था और फर्जी खातों के जरिए रकम को घुमाता था।

जांच में सामने आया है कि डिलीवरी ब्वॉय और एक ड्राइवर के खातों से महज तीन-चार महीनों में करीब 125 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ।पुलिस के अनुसार, गिरोह की सबसे अहम कड़ी बैंक अधिकारियों की भूमिका रही।जब भी साइबर ठगी में इस्तेमाल खातों को फ्रीज करने के लिए मेल भेजा जाता था, बैंककर्मी इसकी जानकारी आरोपियों तक पहुंचा देते थे।इससे पहले कि खाते सील होते, ठग रकम निकाल लेते थे।

> ⇨ **फर्जी खातों से 125 करोड़ का लेनदेन, 'डिजिटल अरेस्ट' बनाकर लोगों को बनाया शिकार**

जांच के दौरान नवी मुंबई में एक कारोबारी से 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर करोड़ों की ठगी का मामला भी सामने आया, जिसकी रकम इन खातों में ट्रांसफर की गई थी।

पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब एक संदिग्ध खाते में भारी लेनदेन की सूचना एनसीआरपी पोर्टल के जरिए पुलिस को मिली।पूछताछ और कॉल डिटेल खंगालने पर बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता उजागर हुई। पुलिस ने विभिन्न बैंकों से जुड़े अधिकारियों, एजेंटों और खाताधारकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस आयुक्त के अनुसार, यह पहला मामला है जिसमें साइबर ठगी में बैंक कर्मियों की सीधी मिलीभगत सामने आई है और जांच अभी जारी है।

पुलिस की तेजी से 24 घंटे में मिला लापता एचबीटीयू छात्र

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

> ⇨ **शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस, सीसीटीवी खंगालकर शुरू की तलाश**
> ⇨ **सकुशल बरामद होने पर परिवार ने पुलिस टीम का जताया आभार**

कानपुर। कानपुर में एचबीटीयू कॉलेज का एक छात्र अचानक लापता हो जाने से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए छात्र की तलाश शुरू कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में जांच तेज की और कई स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।सघन तलाशी अभियान और लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने छात्र अमृतांश वर्मा को महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। नवाबगंज थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली। बरामदगी के बाद इंस्पेक्टर अरुण सिंह ने छात्र को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।अपने बेटे को सुरक्षित वापस पाकर परिवार भावुक हो उठा और पुलिस टीम की सराहना की। परिजनों ने कहा कि अगर पुलिस इतनी तेजी से कार्रवाई नहीं करती तो स्थिति और चिंताजनक हो सकती थी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में हर पहलू की जांच की गई थी और समय रहते छात्र को सुरक्षित ढूंढ लिया गया।

सेंट मेरीज कॉन्वेंट की छात्राओं ने रचा सफलता का इतिहास

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। सेंट मेरीज कॉन्वेंट हाई स्कूल में आईसीएसई एवं आईएससी परीक्षा परिणाम में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। दोनों बोर्ड में शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया। आईसीएसई परीक्षा में आरिका त्यागी ने 97.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रितिशा मिश्रा 97.6% के साथ द्वितीय, अवनीत कौर गांधी 97.4% के साथ तृतीय, पल्लवी सिंह 96.8% के साथ चतुर्थ तथा सौम्या ओमर 96.5% के साथ पंचम स्थान पर रहीं।आईएससी परीक्षा में अनुष्का चौहान ने शानदार 99% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दर्शिका गुप्ता और विनी अग्रवाल ने 97.75% अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नित्या अग्रवाल 97.25% के साथ तृतीय, अंजलना नूर 97% के साथ चतुर्थ और ज़ारा राशिद 96.50% के साथ पंचम स्थान पर रहीं।

विद्यालय की कई छात्राओं ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। आईसीएसई में आरिका त्यागी, रितिशा मिश्रा, अवनीत कौर गांधी, भव्या सिंह, आराध्या दीक्षित, अनंदिता त्रिपाठी, सिद्रा फातिमा, पल्लवी सिंह, सौम्या ओमर, अनन्या शर्मा, आयत फातिमा, आशिता पटेल, शताक्षी सिंह, तृप्ति वर्मा, राधिका सेठ और आदिश्री त्रिपाठी ने पूर्ण अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।वहीं आईएससी में अनुष्का चौहान, हर्षिता शुक्ला, दर्शिका गुप्ता, नित्य अवस्थी, उजरा राशिद और विनी अग्रवाल ने भी शत-प्रतिशत अंक हासिल किए।कॉमर्स स्ट्रीम में मायरा हक ने 98.25% अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निष्ठा गुप्ता 97.25% के साथ द्वितीय, इनाया नदीम 96.50% के साथ तृतीय, हर्षिता शुक्ला 95.75% के साथ चतुर्थ तथा पावनी गुप्ता 95.50% के साथ पंचम स्थान पर रहीं।विद्यालय प्रशासन ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सीएम ग्रिड परियोजना में तेजी लाने का काम करें: नगर आयुक्त

कानपुर महानगर में सीएम ग्रिड परियोजना की धीमी चाल से नगर आयुक्त नाराज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर में यातायात सुधार और आधुनिक सुविधाओं के विकास को लेकर चल रही सीएम ग्रिड परियोजना की प्रगति का जायजा लेने के लिए नगर आयुक्त ने को जोन-2 के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए।नगर आयुक्त ने वीआईपी रोड से लाल बंगला और जेके-1 से जलसा गेस्ट हाउस तक बन रही 2.6 किलोमीटर लंबी सड़क का निरीक्षण किया, जो करीब 39.74 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही है। इस सड़क पर 7 मीटर चौड़ी व्हाइट टॉपिंग, भूमिगत विद्युत लाइन, सीवर, वाटर लाइन और ऑप्टिकल फाइबर की व्यवस्था की जा रही है। परियोजना पूरी होने पर लेदर मार्केट क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और पैदल यात्रियों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान करीब 3 किलोमीटर तक वाटर लाइन, सीवर और ड्रेनेज कार्य पूरा पाया गया, लेकिन फुटपाथ निर्माण शुरू न होने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिया कि 1 माह के भीतर सभी यूटिलिटी कार्यों के साथ फुटपाथ निर्माण पूरा किया जाए और दिन-रात काम कर तेजी लाई जाए.इसके बाद नगर आयुक्त ने एनएच-19 से राजाराम चौराहा होते हुए हमीरपुर मार्ग तक 4.6 किलोमीटर लंबी दूसरी सड़क का भी निरीक्षण किया, जिसकी लागत करीब 38.98 करोड़ रुपये है। यह सड़क बनने के बाद नौबस्ता चौराहे पर यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा।निरीक्षण में सीवर और वाटर लाइन के कनेक्शन अधूरे पाए जाने पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताते हुए जल निगम के अधिकारियों को 7 दिन के भीतर सभी हाउस कनेक्शन पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षा ऋतु से पहले नाला निर्माण कार्य पूरा करने को भी कहा, ताकि जलभराव की समस्या से बचा जा सके।नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सीएम ग्रिड के तहत सभी कार्य मानक के अनुरूप और तय समय सीमा में पूरे किए जाएं। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

शहर को मिलेगा आधुनिक ट्रैफिक नेटवर्क

नगर निगम के चीफ इंजीनियर श्री जैदी ने बताया कि सीएम ग्रिड परियोजना पूरी होने के बाद कानपुर में यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित होगी, सड़कों पर खुदाई की समस्या खत्म होगी और नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित व सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

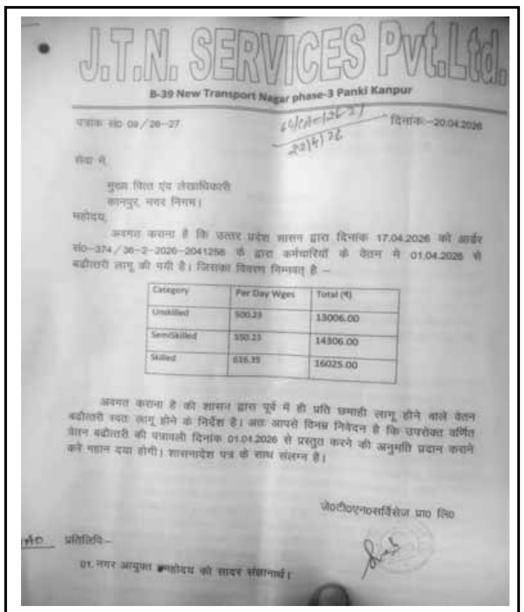

J.T.N. SERVICES Pvt.Ltd.
B-39 New Transport Nagar phase-3 Panki Kanpur

पत्रांक सं0 09/26-27 दिनांक-20.04.2026

सेवा में,
मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी
कानपुर, नगर निगम।

महोदय,

अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिनांक 17.04.2026 को आर्डर सं0-374/36-2-2026-2041256 के द्वारा कर्मचारियों के वेतन में 01.04.2026 से बढ़ोत्तरी लागू की गयी है। जिसका विवरण निम्नवत् है –

Category	Per Day Wges	Total (₹)
Unskilled	500.23	13006.00
SemiSkilled	550.23	14306.00
Skilled	616.35	16025.00

अवगत कराना है की शासन द्वारा पूर्व में ही प्रति छमाही लागू होने वाले वेतन बढ़ोत्तरी स्वतः लागू होने के निर्देश है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त वर्णित वेतन बढ़ोत्तरी की पत्रावली दिनांक 01.04.2026 से प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान कराने की महान दया होगी। शासनादेश पत्र के साथ संलग्न है।

जे0टी0एन0सर्विसेज प्रा0 लि0

प्रतिलिपि–
01. नगर आयुक्त महोदय को सादर संज्ञानार्थ।

चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को मिलेगा मासिक 13 हजार रुपये भुगतान

» नगर निगम और नगर निकायों में आउटसोर्सिंग में काम कर रहे कर्मियों को मिलेगी राहत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर। नगर निगम में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी एवं सफाईकर्मियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अब उन्हें प्रति कार्य दिवस 500 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

अन्य भत्ते काटकर उन्हें 13000 का भुगतान किया जाएगा . इस संबंध में शासन ने आदेश जारी कर दिया है।जानकारी के अनुसार, कार्यदायी संस्थाओं के माध्यम से लगे अकुशल श्रेणी के सफाई श्रमिकों के वेतन में यह बढ़ोतरी की गई है। यह निर्णय 27 जनवरी 2026 को आयोजित नगर निगम सदन में पारित प्रस्ताव के क्रम में लिया गया है, जिसे सदन की मंजूरी भी मिल चुकी है।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नए आदेश का अनुपालन तुरंत प्रभाव से सुनिश्चित किया जाएगा। इस फैसले से सफाईकर्मियों में संतोष का माहौल है, वहीं नगर प्रशासन को उम्मीद है कि इससे कार्य की गुणवत्ता और जिम्मेदारी में भी सुधार आएगा। कानपुर नगर निगम के मुख्य लेखा अधिकारी कृपा शंकर शुक्ला ने बताया कि लेबर बोर्ड के अनुसार आउटसोर्सिंग कर्मियों को मानदेय दिया जाएगा इस संदर्भ में प्रस्ताव बना लिया गया है।

सम्पादकीय

मौत की राह बनती सड़कों पर हो अनुशासन

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है।यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफ से कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो।

साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए।

ऊर्जा-आत्मनिर्भरता की राह में बड़ा कदम

के.एस तोमर

स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की है। अब भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत ने अपने परमाणु...स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की है। अब भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में हाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की, जो नाभिकीय चेन रिएक्शन की शुरुआत है। यह प्रोटोटाइप एफबीआर 500 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) रिएक्टर है, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) ने तमिलनाडु के कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में निर्मित किया है।यह तकनीक नाभिकीय ऊर्जा में यूरेनियम पर निर्भरता कम करेगी। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपने तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जिसकी परिकल्पना डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने की थी। वैश्विक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके पूर्ण संचालन में आने के बाद, रूस के बाद भारत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करने वाला, दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा।ईरान-युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभावों के साथ, दुनियाभर के देश ऊर्जा सुरक्षा की तलाश में हैं। ज्यादातर देश कोयले और पेट्रोलियम के रूप में फॉसिल फ्यूल के सहारे हैं, पर अब उनके खत्म होने का समय है। वैसे भी उनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को देखते हुए विकल्पों की तलाश चल रही है। पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों की तुलना में नाभिकीय ऊर्जा सबसे आगे है, क्योंकि बड़े स्तर पर वही जरूरत पूरी कर सकती है। उसके साथ भविष्य के तकनीकी विकास भी जुड़े हैं, जो नए विकल्पों को खोलेंगे।अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हाल में संलयन (फ्यूज़न) ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त घोषणा की है। व्यावसायिक रूप से इस पद्धति से बिजली बनाने में अभी कई दशक लगेंगे, पर भविष्य में यह ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत साबित होगा। यह बिजली भी परमाणु के नाभिकीय में छिपे ऊर्जा स्रोत पर आधारित होगी, पर अभी प्रचलित विखंडन पर आधारित नाभिकीय ऊर्जा से एकदम अलग और सुरक्षित होगी।नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ है, पर उसके साथ दुर्घटनाओं के जोखिम हैं। इस वजह से जर्मनी ने 2023 में परमाणु विखंडन (फ़िज़न) को छोड़ने का फैसला किया है। वह भी परमाणु संलयन तकनीक पर भारी निवेश कर रहा है, जिसे वह भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में देखता है। जापानी नेतृत्व ने 2011 की फुकुशिमा आपदा से पैदा हुई सार्वजनिक चिंताओं के बावजूद अब परमाणु ऊर्जा को फिर से अपनी प्राथमिकता बनाया है। ईरान युद्ध ने, उनके परमाणु संयंत्रों को फिर से खोलने और नए संयंत्र बनाने की बातें हैं। दक्षिण कोरिया पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा उत्पादकों में से एक है। भारत में परमाणु ऊर्जा के सतत विकास के लिए फास्ट ब्रीडर की अनिवार्यता को डॉ. होमी भाभा ने 1950 के दशक में ही समझ लिया था। उन्होंने माना कि भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम को लंबे समय तक चला नहीं पाएंगे। उन्होंने यूरेनियम के कुशल उपयोग के लिए ब्रीडर प्रणाली का सुझाव दिया। भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएफबीआर परियोजना की गतिविधियां 2003 में शुरू हुई और उसी वर्ष 'भाविनी' नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना हुई। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकैलिटी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है।

समंदर की ठंडी हवा और ज़िंदगी की गर्माहट का शहर

हिंद महासागर से घिरा श्रीलंका, कोलम्बो की जीवंतता, कैंडी की आस्था, सिगिरिया का रोमांच और सुनहरे बीचों के साथ सुकून, संस्कृति, प्रकृति और एडवेंचर का अनोखा अनुभव देता है।कोलम्बो के भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते ही मंद-मंद हवा के झोंके और तरोताज़ा आबोहवा तन-मन को छूकर उमंग जगा देती है।

कोलम्बो श्रीलंका की राजधानी ही नहीं, दिल भी है। कोलम्बो में भीड़भाड़ है, लेकिन अपने देश की राजधानी दिल्ली जैसी तो हरगिज़ नहीं। कोलम्बो में सरकारी ऑफिस और तंत्र का बोलबाला ज़्यादा है, रिहायशी एरिया माउंट लेवेनिया कहलाता है। माउंट लेवेनिया कोलम्बो से महज़ 20 मिनट की सड़क दूरी पर है। नाइट लाइफ का तो राजा है, तड़के 4 बजे तक क्लबों में धूम-धड़ाका जारी रहता है। समुद्र किनारे या बीच को गोल्डन माइल कहते हैं। मौज-मस्ती के लिए फुल हैप्पनिंग प्लेस है। हर ओर मस्त-मौला और खुल्लम-खुल्ला घूमने-फिरने की छूट है। एक के बाद एक युवाओं के फेस्टिवल चलते रहते हैं।उधर कोलम्बो में 'ग्रीन पाथ ओवरव्यू' में नौजवानों को लाइव पेंटिंग्स करते देखने का विरला मौका मिलता है। विक्टोरिया पार्क के बगल में ग्रीन पाथ दो-तरफा सड़क है। यहीं हर वीकेंड पर श्रीलंका स्टूडेंट्स और पेंटर्स का जमावड़ा लग जाता है और खिल उठती है ओपन एयर आर्ट शो की रंगत। पेंटिंग्स की विंडो शॉपिंग तो है ही फ्री, अगर खरीदना चाहें तो दाम भी किफायती हैं। और हां, 'बेयर फुट' नामक स्टोर में श्रीलंका की खास हैंडलूम चादरें, तकिए, पर्दे वगैरह की खरीदारी ज्यादातर सैलानी करना पसंद करते हैं। और फिर, लंका के सबसे रौनकी शॉपिंग सेंटरों में से एक है 'द डच हॉस्पिटल शॉपिंग प्रीसिंक्ट'। नाम के साथ हॉस्पिटल जुड़ा है, लेकिन आज सिर्फ शॉपिंग का अड्डा है। डच शासन के ज़माने में अस्पताल था, जो बाद में पुलिस स्टेशन बना और अब भव्य

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में तब्दील हो चुका है।कोलम्बो के फोर्ट रेलवे स्टेशन से कैंडी के लिए ट्रेन पकड़ते हैं। सुबह 7 बजे की ट्रेन करीब 3 घंटे में कैंडी पहुंचा देती है। कैंडी दिलकश हिल स्टेशन ही नहीं, श्रीलंका का दूसरा बड़ा शहर भी है। यहीं 'टेंपल ऑफ द टूथ' के दर्शन करने सैलानी देश-विदेश से आते हैं। तड़के से देर रात तक दर्शन का सिलसिला जारी रहता है। यहां महात्मा बुद्ध के दांत की आकृति बनी है। यह श्रीलंका के पावन तीर्थों में शुमार है। दर्शन करने के लिए घुटनों से लंबी पतलून और कंधों को ढकना लाज़मी है। बाहिरवाकंडा मंदिर में महात्मा बुद्ध की दिव्य प्रतिमा लगी है। यूं भी, कैंडी में यहां-वहां अहम स्थलों पर महात्मा बुद्ध की प्रतिमाएं शोभा बढ़ाती हैं। कैंडी का हवाई नज़ारा देखना चाहें, तो आर्थर सीट का रुख करना होगा।कैंडी आए ज्यादातर पर्यटक 'पिन्नावाला एलिफेंट ऑर्फनेज' जाना चाहते हैं और जाते भी हैं। कैंडी से महज़ 40 किलोमीटर दूर है और एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। यह जंगली हाथियों की नर्सरी है। खासियत है कि दुनिया भर में सबसे ज़्यादा हाथी एक साथ यहीं देखे जा सकते हैं। हाईवे के ईस्ट में रिहायशी इलाका है। इधर-उधर रेस्टॉरेंट्स और कैफे हैं। और एकदम सामने पश्चिमी साइड पर ओया नदी में हाथियों के झुंड के झुंड को नहाते देखना एक अलग अनुभव है। ज़्यादा से ज़्यादा हाथियों को नहाते देखने के लिए सुबह 10 से साढ़े 10 और शाम 4 से साढ़े 4 बजे तक का समय सबसे बेहतर है।सिगिरिया आठवां आश्चर्य कैंडी से 90 किलोमीटर दूर है सिगिरिया। सिगिरिया चट्टानों का विशाल किला है। करीब 2,243 मीटर ऊंची एडम्स पीक तले श्रीपादा के दर्शन कर-कर भक्त धन्य हो जाते हैं। श्रीपादा महात्मा बुद्ध के पावन पदचिह्न हैं, जो 1.8 मीटर लंबे-चौड़े हैं। इन्हें दुनिया का आठवां आश्चर्य माना जाता है। सिगिरिया श्रीलंका का बड़ा पर्यटन आकर्षण है। चट्टान आसपास के जंगल से करीब 200 मीटर ऊंची है। करीब 1,250 सीढ़ियां चढ़कर, हांफते-हांफते लगभग 2 घंटे में सबसे ऊपर पहुंचा जाता है।कोलम्बो के दक्षिण में, करीब 65 किलोमीटर दूर और खास जगह है बेनटोटा। सागर पर जल-क्रीड़ाओं का ऐसा रोमांच श्रीलंका में और कहीं नहीं मिलेगा। एक और आकर्षण है गाले फेस ग्रीन। गाले रोड के बगल में सागर को छूता 5 हेक्टेयर रिबन के आकार का हरियालीदार एरिया कितना सुकून भरा है। सागर किनारे खुले में बच्चों के खेलने-कूदने, पतंगबाज़ों, प्रेमी युगलों और स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाने वालों के लिए यह प्रिय ठिकाना है। यहीं 'बैलीज़' और 'बेलाजियो' कैसीनो में 24 घंटे रौनकें शबाब पर रहती हैं।

कसिगवां में पानी का संकट शादी के रिश्ते तक नहीं आ रहे

गांव वालों ने 2022 के विधानसभा चुनाव का किया था बहिष्कार, टंकी तो बन गई, लेकिन मीठा पानी नहीं आया

रिज़वान कुरैशी/ स्वराज इंडिया

बिल्हौर (कानपुर)। सुबह का सूरज निकलते ही कसिगवां ग्राम पंचायत की संकरी गलियों में हलचल शुरू हो जाती है। कुछ लोग हाथ में बाल्टी लिए, कुछ सिर पर डिब्बा रखे, गांव के उस एक नल की ओर दौड़ पड़ते हैं, जहां मीठा पानी आता है। लाइन लगती है और साथ ही शुरू होता है इंतज़ार। क्योंकि यहां पानी सिर्फ जरूरत नहीं, किस्मत से मिलता है। यह किसी फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि बिल्हौर तहसील के ककवन ब्लॉक की ग्राम पंचायत कसिगवां की रोजमर्रा की हकीकत है। जहां प्यास सिर्फ एहसास नहीं, एक संघर्ष बन चुकी है। इसी बुनियादी कमी की वजह से गांव की सामाजिक तस्वीर भी बदलती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लोग यहां बेटी ब्याहने से भी कतराने लगे हैं।

- **पीने योग्य पानी यहाँ किस्मत से मिलता है, दूर-दराज से पानी ढोने को मजबूर हैं ग्रामीण**
- **तहसील के अति पिछड़े ब्लॉक ककवन की ग्राम पंचायत कसिगवां में पानी की किल्लत**

बिल्हौर तहसील के अति पिछड़े ककवन ब्लॉक की ग्राम पंचायत कसिगवां में लोग आज भी पीने के पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गांव की पहचान अब विकास से नहीं, बल्कि खारे पानी और बुनियादी समस्याओं से होने लगी है। इसका असर सिर्फ रोजमर्रा की जिंदगी पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्तों पर भी पड़ रहा है। लोग इस गांव में शादी-ब्याह तक करने से कतराने लगे हैं। गांव में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिसके चलते लोगों को रोजाना पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

गांव में जिन स्थानों पर थोड़ा बहुत ठीक पानी उपलब्ध है, वहां भी लोगों को दूसरों के हिसाब से पानी भरना पड़ता है, जिससे असुविधा और विवाद की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि उनका दर्द जानने गांव में ना तो कोई नेता जनप्रतिनिधि आता है न ही कोई अधिकारी। खाली चुनाव के समय नेता वोट मांगने आ जाते हैं। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए एक पानी की टंकी बनवाई गई थी। और मोटर से निकले पानी की जांच कराई गई तो पहले तो सब ठीक ठाक बता दिया गया लेकिन बाद में दावे की पोल खुल गई। जिससे टंकी चालू नहीं हो पाई।

और लाखों रुपए की लागत पर पानी फिर गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव में शुद्ध पेयजल की स्थायी व्यवस्था कराई जाए, ताकि उन्हें इस समस्या से राहत मिल सके और गांव की स्थिति में सुधार हो सके।

2022 विधानसभा चुनाव में ग्रामीणों ने किया था बहिष्कार

कसिगवां गांव के ग्रामीणों ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। ग्रामीणों ने गांव में पोस्टर लगाकर साफ ऐलान किया था कि जब तक पानी, पुल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक वे मतदान नहीं करेंगे। चुनाव के दिन भी ग्रामीण अपने फैसले पर डटे रहे। स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव पहुंचकर लोगों को जल्द समस्या समाधान का आश्वासन दिया था, जिसके बाद करीब दोपहर 12 बजे मतदान शुरू हो सका था। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि आश्वासन के बावजूद आज तक स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। गांव के लोगों का कहना है कि उनके साथ वादाखिलाफी हुई है और समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

ककवन से एक गाड़ी पानी लेकर रोज गांव जाती है

स्थानीय लोगों का कहना है कि ककवन से प्रतिदिन सुबह एक गाड़ी गांव में पीने का पानी लेकर आती है, जिसमें 20 रुपये प्रति वाटर कूलर के हिसाब से पानी बेचा जाता है। इससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की इस समस्या का असर अब सामाजिक जीवन पर भी पड़ने लगा है।

वर्ष करीब 2023 में गांव में पानी की टंकी का निर्माण कार्य पूरा हुआ था। जब टंकी का निर्माण शुरू हुआ था, तब ठेकेदार ने प्राइवेट कंपनी से पानी की टेस्टिंग कराई थी और रिपोर्ट में पानी को मीठा बताया गया था।लेकिन जब बाद में छोटी मोटर डालकर पानी की जांच की गई तो वह बहुत खारा निकला। इसके बाद मैंने टीडीएस जांच कराई।जिसमें पानी का टीडीएस दो हजार से अधिक पाया गया। हाल ही में नहर विभाग से बातचीत कर नहर कटवा पशुओं के लिए पानी पीने की व्यवस्था की गई है।पूरे गांव में खारा पानी है बड़ी समस्या है। पुल वाली समस्या का बजट पास हो चुका है और जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा।

जगत यादव, ग्राम प्रधान कसिगवां

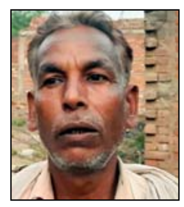

जब से होश संभाला है तब से गांव में खारा पानी ही देखा है। कोई सुनने वाला नहीं है। बहुत लोग गांव छोड़कर भी चले गए हैं। हालत यह है कि अब लोग यहां रिश्ते भी नहीं करते हैं। गांव में करीब दो दर्जन युवा शादी योग्य हैं। पूरे गांव में खारा पानी है ऐसे में कौन अपनी बिटिया ब्याहेगा। हमारी प्रशासन से मांग है कि जल्द समस्या का समाधान किया जाए।जहां मीठा पानी आता है, वहां से लेने जाएं तो कई बार वहाँ के लोग पानी देने से मना कर देते हैं।

-राम कृपाल गौतम, ग्रामीण

इस समस्या को संबंधित विभाग को दिखवाकर, समाधान हेतु पत्र लिखा जाएगा।

मनीष कुमार
उपजिलाधिकारी
बिल्हौर

गांव में पानी पीने लायक नहीं है, पानी खारा है। टंकी बनी हुई खड़ी है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। समस्या जस की तस बनी हुई है।

मालती, ग्रामीण

गांव में पानी की समस्या सालों पुरानी है। पीने के पानी के लिए रोज जद्दोजहद करनी पड़ती है। दूर से पानी लाना पड़ता है, तो कभी खरीदना पढ़ता है जिससे समय और पैसा दोनों खराब होता है। कभी-कभी खारा पानी पीकर ही प्यास बुझाते हैं।

इमरान, ग्रामीण

स्कूली वैन चालक से मारपीट, चार पर मुकदमा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर) चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव में शुक्रवार सुबह स्कूली बच्चों को ले जा रहे वैन चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया। गाड़ी हटाने को लेकर हुए विवाद में कुछ युवकों ने चालक और उसके भाई को पीट दिया।भीटी गांव निवासी मोहम्मद यासीन के अनुसार, वह सुबह बच्चों को वैन में बैठा रहे थे, तभी कुछ लोग गाड़ी हटाने को लेकर बहस करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने लाठी-डंडों व लात-घूंसों से हमला कर दिया। घटना में दोनों भाई घायल हो गए।

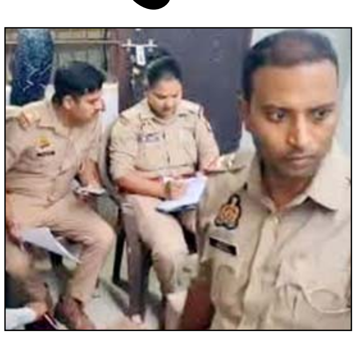

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

चलती ट्रेन से उतरने की जल्दबाज़ी बनी जानलेवा, बिल्हौर स्टेशन पर किसान की मौत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार सुबह बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसे में किसान की जान चली गई। चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में संतुलन बिगड़ने से वह ट्रेन की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से घायल किसान ने कानपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

ककवन थाना क्षेत्र के घंसी निवादा गांव निवासी 52 वर्षीय मेघनाथ सिसोदिया गुरुवार को शिवराजपुर क्षेत्र में एक रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। शुक्रवार सुबह वह ट्रेन से घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही ट्रेन बिल्हौर स्टेशन पर पहुंचने लगी, उन्होंने जल्दबाज़ी में उतरने का प्रयास किया, इसी दौरान पैर फिसल गया और वह हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें कानपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं। मेघनाथ सिसोदिया खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक विवाहित बेटी हैं। हादसे की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई, वहीं गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को घर ले जाकर अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। उधर, पुलिस का कहना है कि उन्हें घटना की कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली।

- **शादी से लौटते वक्त हुआ हादसा, रास्ते में तोड़ा दम**
- **परिवार में मचा कोहराम, गांव में शोक की लहर**

यमुना नदी पुल पर हुआ भीषण हादसा

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, तीसरा गंभीर

» शादी में शामिल होने जा रहे थे तीनों युवक, हादसे के बाद परिजनों का प्रदर्शन

» 11 घंटे तक शव रखकर जाम, प्रशासन के आश्वासन पर हटे परिजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। जिले में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक बांदा जिले में एक दोस्त की शादी में शामिल होने जा रहे थे।हादसा रामनगर कौहन स्थित यमुना नदी पुल पर रात करीब 11 बजे हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि असोथर के जरौली गांव निवासी शिवम सिंह (18) और शनी निषाद (22) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, तीसरे साथी बसंता (20) को गंभीर हालत में पहले प्राथमिक उपचार दिया गया, बाद में उसे फतेहपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

रोते-बिलखते परिजन

बताया जा रहा है कि मृतक शनी निषाद हाल ही में 21 अप्रैल 2026 को बांदा जिले के मर्का थाना क्षेत्र की रहने वाली रोशनी से विवाह कर घर लौटा था। वह मुंबई में हलवाई का काम करता था। वहीं शिवम सिंह गांव में रहकर खेती करता था। घायल बसंता गुजरात में मजदूरी करता है और शादी में शामिल होने के लिए गांव आया हुआ था।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने चुनहा कुआं-जरौली मार्ग पर दोनों शवों को रखकर जाम लगा दिया और डंपर चालक की गिरफ्तारी व आर्थिक सहायता की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस द्वारा शवों को ट्रैक्टर से ले जाते समय ग्रामीणों ने जरौली मोड़ के पास ट्रैक्टर रोक लिया और शव नीचे उतरवाकर विरोध तेज कर दिया। करीब 11 घंटे तक चले इस प्रदर्शन के कारण यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

सूचना पर असोथर थाना प्रभारी रमाशंकर सरोज समेत कई थानों की पुलिस, क्षेत्राधिकारी थरियांव वीर सिंह और एडिशनल एसपी ज्ञान चंद्र रॉय मौके पर पहुंचे। भारी पुलिस बल तैनात कर हालात को नियंत्रित किया गया। काफी समझाने-बुझाने और प्रशासन के आश्वासन के बाद सुबह करीब 9ः30 बजे परिजनों ने जाम समाप्त किया। पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

निलंबन से आक्रोशित जेई टॉवर पर चढ़े, हंगामे के बाद आश्वासन पर उतरे

प्राइवेट लाइनमैन की करंट से मौत के बाद हुई थी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) अभय यादव का विरोध प्रदर्शन उस समय नाटकीय रूप ले बैठा, जब वे अचानक एक ऊंचे टॉवर पर चढ़ गए। टॉवर पर चढ़कर उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहा कि जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाएगा, वे नीचे नहीं उतरेंगे। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। इसके अलावा बिजली विभाग और जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और अभय यादव को समझाने का प्रयास किया। आखिरकार अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनके निलंबन पर पुनर्विचार किया जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी। इस भरोसे के बाद अभय यादव टॉवर से नीचे उतर आए, जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

दरअसल, यह पूरा मामला एक दिन पहले झूंसी के त्रिवेणीपुरम इलाके में हुए हादसे से जुड़ा है। रात करीब 1 बजे बिजली आपूर्ति बाधित होने पर सरकारी लाइनमैन रमेश अपने साथ प्राइवेट लाइनमैन रामू कुशवाहा को लेकर मरम्मत कार्य के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान रामू खंभे पर चढ़कर जांच कर रहे थे, तभी अचानक बिजली सप्लाई चालू हो गई और करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।इस घटना के लिए विभाग ने प्रथम दृष्टया जिम्मेदारी तय करते हुए जूनियर इंजीनियर अभय यादव को दोषी मानकर निलंबित कर दिया था। इसी कार्रवाई से आक्रोशित होकर उन्होंने यह कदम उठाया। फिलहाल मामले की जांच जारी है और विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड सर्विसेज की नई टीम घोषित, रविंद्र मिगलानी फिर बने अध्यक्ष

समन्वय-2026 की समीक्षा के बीच सत्र 2026-27 के लिए कार्यकारिणी का गठन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सहारनपुर। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड सर्विसेज की सत्र 2025-26 की अंतिम कार्यकारिणी बैठक सहारनपुर क्लब परिसर में आयोजित हुई, जिसमें आगामी सत्र 2026-27 के लिए नई टीम की घोषणा की गई। बैठक में संस्था के कार्यक्रम ÷समन्वय-2026÷ की समीक्षा भी की गई।बैठक का संचालन महासचिव अमित चौधरी और सरदार बलजीत सिंह चावला ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने बताया कि संस्था ने कम समय में सहारनपुर और आसपास के जिलों में अपनी पहचान बनाई है, जिसका श्रेय सभी सदस्यों के सहयोग को जाता है। अध्यक्ष रविंद्र मिगलानी ने ÷समन्वय-2026÷ की सफलता पर आयोजन समिति का आभार जताया। वहीं सत्येंद्र सिंह बिट्टू ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए टीम का अभिनंदन किया।संस्था के संरक्षक महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह और अमर गुप्ता ने सत्र 2026-27 के लिए एच. एस. चड्ढा को पुनः चेयरमैन तथा रविंद्र मिगलानी को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। अध्यक्ष मिगलानी ने कहा कि संस्था की प्रगति के लिए सभी सदस्यों का सहयोग और अनुशासन जरूरी है।

नई कार्यकारिणी में दिनेश माहेश्वरी और बलजीत सिंह चावला को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमित चौधरी को महासचिव, विजय वशिष्ठ को अपर महासचिव, रवि टंडन को संयुक्त महासचिव, नीरज मिड्ढा को कोषाध्यक्ष, सक्षम बत्रा को संयुक्त कोषाध्यक्ष, संजय गुप्ता को मुख्य समन्वयक, तेजेंद्र तनेजा को उपाध्यक्ष एवं समन्वयक तथा सुमित पोपली को सचिव एवं समन्वयक बनाया गया। घोषणा के बाद सदस्यों ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया।

चेयरमैन एच. एस. चड्ढा ने कहा कि सदस्य अपनी समस्याएं लिखित रूप में दें, ताकि उन्हें उद्योग बंधु बैठकों में उठाकर समाधान कराया जा सके। बैठक में संस्था के कई सदस्य उपस्थित रहे।

रोडवेज कर्मचारियों का बड़ा ऐलान, संविदा व आउटसोर्सिंग के खिलाफ होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यू.पी. रोडवेज़ इम्प्लाइज यूनियन के प्रांतीय सम्मेलन में कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष पं. राम जी त्रिपाठी ने की। इस दौरान उन्होंने समस्त प्रांतीय, क्षेत्रीय एवं शाखा स्तर के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन की एकजुटता पर जोर दिया।पं. राम जी त्रिपाठी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पूरे प्रदेश में संविदा कर्मचारियों के उत्पीड़न, आउटसोर्सिंग व्यवस्था के शोषण, 'समान कार्य के लिए समान वेतन' और डग्गामारी के खिलाफ व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन जल्द ही डिपो स्तर से शुरू होकर पूरे प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से तेज किया जाएगा।सम्मेलन में प्रांतीय संयुक्त मंत्री लाल तिवारी (प्रयागराज), प्रांतीय उपाध्यक्ष सत्य नारायण शर्मा (आगरा), प्रांतीय कोषाध्यक्ष गया प्रसाद पांडे, के.के. शर्मा व राजेन्द्र सिंह (गाजियाबाद), राजेश पांडे (गोरखपुर) तथा अनिल शुक्ला (कानपुर) सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय उपाध्यक्ष शिवम त्रिपाठी ने किया। सम्मेलन में सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लिया।

डिजिटल अटेंडेंस के सख्त आदेश से बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप

समीक्षा में सामने आया कि कई जिलों में इस व्यवस्था का पालन नहीं हो रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों में पारदर्शिता लाने के लिए लागू की गई डिजिटल उपस्थिति व्यवस्था को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्त तेवर दिखाए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कई जिलों में प्रेरणा पोर्टल पर छात्रों की उपस्थिति अपलोड न होने पर नाराजगी जताई गई है।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

महानिदेशक मोनिका रानी ने अपने निर्देश में कहा है कि विद्या समीक्षा केंद्र की समीक्षा में कई जिलों की स्थिति बेहद खराब पाई गई है, जो शासन के निर्देशों की खुली अनदेखी को दर्शाती है। पूर्व में भी स्पष्ट किया गया था कि सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति प्रतिदिन डिजिटल पंजिका के माध्यम से प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। 16 अप्रैल को हुई समीक्षा में सामने आया कि कई जिलों में इस व्यवस्था का पालन नहीं हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार गोंडा, मुरादाबाद, हमीरपुर, आगरा, उन्नाव, महोबा, बहराइच, आजमगढ़, बलरामपुर, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, कासगंज, झांसी, रामपुर, बदायूं, अम्बेडकरनगर, गाजीपुर, अयोध्या, गोरखपुर और देवरिया जिलों की स्थिति बेहद चिंताजनक है।महानिदेशक ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को तत्काल खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि शत-प्रतिशत विद्यालयों की उपस्थिति प्रतिदिन पोर्टल पर दर्ज होना अनिवार्य किया जाए। विभाग का मानना है कि डिजिटल उपस्थिति के अभाव में छात्र कल्याण योजनाओं की निगरानी प्रभावित हो रही है। ऐसे में अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सख्त आदेश के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों और विद्यालयों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर छाई सरौठा की बेटी, आकांक्षा गौतम का सम्मान

प्रतिभा और आत्मविश्वास हो तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं होता

सम्मान करती डॉ. सीता यादव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के सरौठा गांव की रहने वाली आकांक्षा गौतम आज सोशल मीडिया की दुनिया में तेजी से उभरता हुआ नाम बन चुकी हैं। अपनी मेहनत, लगन और हुनर के दम पर उन्होंने न सिर्फ अपने गांव बल्कि पूरे जनपद को गौरवान्वित किया है। शुक्रवार को उनकी इस उपलब्धि पर समाजसेवी डॉ. सीता यादव ने उनके आवास पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया।

सम्मान के दौरान डॉ. सीता यादव ने आकांक्षा गौतम को डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश में रहकर भी आकांक्षा ने जिस तरह सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बनाई है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह साबित करता है कि यदि प्रतिभा और आत्मविश्वास हो, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं होता। गौरतलब है कि हाल ही में आकांक्षा गौतम की एक रील ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर करीब 19 मिलियन व्यूज हासिल किए, जिसके बाद वह रातों-रात इंटरनेट सेंसेशन बन गई। उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। आकांक्षा की इस सफलता से पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने अपने छोटे से गांव का नाम देशभर में रोशन किया है। युवाओं में भी उनके प्रति खासा उत्साह देखा जा रहा है और कई लोग उन्हें अपना आदर्श मान रहे हैं। सम्मान के दौरान गांव के कई गणमान्य नागरिक और युवा मौजूद रहे। सभी ने आकांक्षा की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि इस तरह की सफलताएं गांव के माहौल को सकारात्मक दिशा देती हैं। वहीं, आकांक्षा गौतम और उनके परिवार ने इस सम्मान के लिए डॉ. सीता यादव का हृदय से आभार व्यक्त किया।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से किसान की मौत

» भूसा बेचने जा रहा था किसान, परिवार में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। भूसा बेचने निकले एक किसान की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह ट्रैक्टर से गिरी भूसे की झाल उठाने के लिए नीचे उतरे थे और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें कुचल दिया।

जानकारी के अनुसार, लालसहाय (50) पुत्र बादशाह निवासी बैजुपुरवा तिगाई (रूरा) ट्रैक्टर पर भूसा लादकर करियावर स्थित रामचंद्र पाल के यहां बेचने जा रहे थे। जैसे ही वह रसूलाबाद कस्बे से पहले झींझक मार्ग पर दशहरा गांव के पास एक कोल्ड स्टोर के सामने पहुंचे, ट्रैक्टर से कुछ भूसे की झाल नीचे गिर गई। भूसा समेटने के लिए लालसहाय ट्रैक्टर से नीचे उतरे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार मिट्टी लदा डंपर आ गया और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि किसान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर रसूलाबाद पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने डंपर (यूपी 93 एटी 8543) को अपने कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को जैसे ही हादसे की सूचना मिली, घर में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने और आरोपी डंपर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ऑटो की टक्कर से ई-रिक्शा पलटा, महिला की मौत

ई-रिक्शा सवार अन्य सभी लोग गंभीर रूप से घायल हुए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के रनियां की मड़ैया गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में ई-रिक्शा सवार अधेड़ महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतका की पहचान भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के सिथरा रामपुर निवासी मंजू देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मंजू देवी अपने बीमार बेटे अंशु और सास मीरा देवी के साथ ई-रिक्शा से पुखरायां जा रही थीं। इसी दौरान रनियां की मड़ैया गांव के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ऑटो ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल मदद करते हुए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मंजू देवी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े लूट का खुलासा, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर पुलिस ने लूट की घटना में शामिल एक शातिर को गिरफ्तार कर उसके पास से कान का बाला बरामद किया है, जबकि उसका साथी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

15 अप्रैल को वादी रेशू कुमार निषाद निवासी वार्ड नं. 13 गौसगंज, मूसानगर ने थाना मूसानगर में तहरीर देकर बताया था कि उनकी दादी के साथ खिरियनपुरवा-मूसानगर मार्ग पर सरकारी ट्यूबवेल के पास बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने कान से सोने के बाले नोच लिए। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। 30 अप्रैल को चेकिंग के दौरान पुलिस ने चांदपुर तिराहे के पास से रोहित निवासी ग्राम जिगनीपुरवा गजनेर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने साथी श्याम सिंह निवासी चैनपुरवा थाना रेऊना (कानपुर नगर) के साथ मिलकर लूट को अंजाम दिया था। फरार अभियुक्त श्याम सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में थाना मूसानगर की प्रभारी निरीक्षक रीना गौतम, उपनिरीक्षक सुनील कुमार वर्मा, कांस्टेबल गोविंद यादव, कांस्टेबल अभिषेक कुमार एवं कांस्टेबल देवेश कुमार रहे।

पेड़ पर लटकता मिला किशोरी का शव, गांव में मातम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 16 वर्षीय किशोरी का शव गांव के बाहर खेत में नीम के पेड़ से लटका मिला। इस घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा छा गया और हर आंख नम हो उठी।

मृतका की पहचान कुमारी अनामिका (16) पुत्री जितेंद्र कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अनामिका रोज की तरह सुबह शौच के लिए घर से निकली थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। धीरे-धीरे चिंता बढ़ी तो परिवार के लोग उसे ढूंढने निकल पड़े। इसी दौरान खेत में काम कर रहे किसानों की नजर नीम के पेड़ से लटकते शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत परिवार को सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। कोतवाल शिवनारायण सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृष्ट्या संदिग्ध है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

गजनेर में 'चुनिंदा न्याय', बाकी सब अंधेरे में

एक चोरी का खुलासा बाकी मामलों पर पुलिस का 'पर्दा'

» मनेथु, ज्यूनियां, मंगटा में लाखों की चोरी की वारदातें फाइलों में दफन

» अपराधियों के हौसले बुलंद, सिस्टम पर उठ रहे करारे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की तस्वीर अब खुलकर सामने आने लगी है, जहां पुलिस की कार्रवाई ÷चुनिंदा खुलासों÷ तक सीमित दिखाई दे रही है। एक ओर सराफा व्यापारी लूटकांड का खुलासा कर वाहवाही बटोरी जा रही है, वहीं दूसरी ओर मनेथु, ज्यूनियां और मंगटा गांव में हुई बड़ी चोरी की घटनाएं अब भी रहस्य बनी हुई हैं।

बीते दिनों मनेथु गांव में चोरों ने घर में घुसकर अलमारी का लॉक तोड़ते हुए नगदी और जेवरात समेत करीब दो लाख रुपये का माल पार कर दिया। वहीं ज्यूनियां गांव में छत के रास्ते घर में दाखिल होकर जमीन में गड़ी मटकी को खोदकर करीब 6 लाख रुपये नकद और कीमती आभूषण ले गए। मंगटा गांव में भी करीब डेढ़ लाख रुपये की चोरी की वारदात हुई थी, जबकि पामा गांव में एक ही रात में तीन घरों से करीब 20 लाख रुपये की चोरी ने पूरे क्षेत्र को हिलाकर रख दिया था।इन सभी घटनाओं में एक समान बात यह है कि आज तक किसी भी मामले का ठोस खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस हर बार जांच का आश्वासन देती है, लेकिन नतीजा सिफर ही रहता है। इससे यह धारणा बनती जा रही है कि कुछ मामलों में सक्रियता दिखाई जाती है, जबकि बाकी मामलों को फाइलों में दबा दिया जाता है। ग्रामीणों और व्यापारियों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है। उनका कहना है कि अपराधियों को पकड़ने के बजाय मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। तहरीर दो और फिर भूल जाओ जैसी स्थिति ने लोगों का भरोसा हिला दिया है।

लगातार हो रही घटनाओं और अधूरे खुलासों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर गजनेर थाना क्षेत्र में कानून का खौफ क्यों खत्म होता जा रहा है? क्या पुलिस की प्राथमिकता सिर्फ चुनिंदा मामलों तक सीमित रह गई है। गजनेर की घटनाएं यह साफ इशारा कर रही हैं कि अगर समय रहते सभी मामलों में समान और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो कानून-व्यवस्था पर से जनता का भरोसा पूरी तरह उठ सकता है । और अपराधियों के लिए यह खुला निमंत्रण साबित होगा।

एम्बुलेंस सेवा 102/108 में फर्जी कॉल और करोड़ों के भ्रष्टाचार पर एफआईआर

एक ही नंबर से दर्ज हुई कई कॉल, झूठे मरीज और कागजों में दौड़ती एम्बुलेंस

डिप्टी सीएमओ आदित्य सचान ने अकबरपुर कोतवाली में दर्ज करवाई एफआईआर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

हलचल खबर का असर

कानपुर देहात। जनता को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा देने के लिए संचालित 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा जनपद में बड़े भ्रष्टाचार के घेरे में आ गई है। ताजा जांच रिपोर्ट में ऐसे चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिनसे स्पष्ट है कि फर्जी कॉल और कागजी मरीजों के नाम पर सरकारी धन की जमकर बंदरबांट की गई।

जांच में सामने आया कि एम्बुलेंस सेवा में बड़ी संख्या में फर्जी कॉल दर्ज की गईं। कई मामलों में एक ही मोबाइल नंबर से अलग-अलग मरीजों और स्थानों के नाम पर बार-बार कॉल दिखाई गई। सत्यापन के दौरान कई नंबर बंद मिले, जबकि कई लोगों ने कॉल करने से साफ इनकार कर दिया।

स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया | कानपुर देहात

जनसुनवाई में खुला एंबुलेंस घोटाला फर्जी ट्रिप से मरीजों की जान पर 'खेल'

स्वराज इंडिया ने किया था खेल का खुलासा

रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर से नवंबर 2025 के बीच दर्ज 1181 कॉल्स में बड़ी संख्या संदिग्ध पाई गई। यह आंकड़ा पूरे खेल की गंभीरता और व्यापकता को दर्शाता है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि कई कॉल्स का कोई वास्तविक अस्तित्व ही नहीं था।

यानी एम्बुलेंस केवल कागजों में ही मरीजों को अस्पताल पहुंचाती रहीं और इसके एवज में भुगतान लिया जाता रहा। इस तरह सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का चूना लगाया गया। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के अनुसार 27 से अधिक मोबाइल नंबर बंद मिले, 28 लोगों ने कॉल करने से इनकार किया, एक ही नंबर से कई बार कॉल दर्ज की गई,

कई कॉल्स का सत्यापन नहीं हो सका और अलग-अलग स्थानों पर एक ही व्यक्ति के नाम से कॉल दर्ज पाया गया। ये तथ्य इस पूरे घोटाले की गहराई को उजागर करते हैं।इतनी बड़ी अनियमितता बिना विभागीय मिलीभगत के संभव नहीं मानी जा रही। एम्बुलेंस संचालन से जुड़े प्रोग्राम मैनेजर, ईएमई और संबंधित एजेंसियां अब जांच के दायरे में हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने अकबरपुर कोतवाली में प्रोग्राम प्रबंधक प्रदीप पाठक, ईएमई अभिषेक तिवारी, एम्बुलेंस संचालन से जुड़ी संस्था और कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। जांच की जिम्मेदारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार को सौंपी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

यह मामला सिर्फ भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर जनता की जिंदगी से खिलवाड़ है। जिस एम्बुलेंस सेवा पर आपातकाल में लोगों की जान निर्भर करती है, उसे ही कमाई का जरिया बना दिया गया। एम्बुलेंस सेवा में सामने आया यह घोटाला सरकारी सिस्टम की बड़ी विफलता को उजागर करता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या इस 'मौत के खेल' के असली जिम्मेदारों तक कार्रवाई पहुंचेगी या मामला फाइलों में ही दबकर रह जाएगा?

48 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कानपुर देहात में देवराहट पुलिस की बड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। देवराहट थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक ट्रक कंटेनर से भारी मात्रा में गांजा बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे का कुल वजन 48 किलो 470 ग्राम बताया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी गई है। तस्करी में प्रयुक्त ट्रक कंटेनर को भी पुलिस ने सीज कर दिया है, जिसकी कीमत लगभग 32 लाख रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 को थाना प्रभारी सौरभ राणा और उपनिरीक्षक उदयवीर सिंह पुलिस बल के साथ संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान जालौन-भोगनीपुर मार्ग पर ग्राम प्रेमपुर के पास एक संदिग्ध कंटेनर को रोका गया। तलाशी लेने पर उसमें अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान अलीगढ़ निवासी आले नवी और मेरठ निवासी तौसीफ के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इस दौरान हेड कांस्टेबल दीपक कुमार और कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

एक हादसे ने उजाड़ दिया पूरा परिवार

चार लोगों की मौत से मचा कोहराम

शादी से लौटते वक्त बोलेरो की टक्कर, पति-पत्नी समेत दो मासूमों की जान गई

घर में बची सिर्फ एक बेटी, चीख-पुकार और मातम से दहला मोहल्ला

अरुण, पति

सीमा, पत्नी

नैतिक, बेटा

दीक्षा, बेटी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले के पुवायां क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को पलभर में खत्म कर दिया। साले की शादी से लौट रहे अरुण अपनी पत्नी सीमा, बेटी दीक्षा और बेटे नैतिक के साथ बाइक पर सवार थे, तभी रास्ते में तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। हादसा इतना दर्दनाक था कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने निगोही कस्बे को गहरे सदमे में डाल दिया है।

मृतक अरुण का परिवार मूल रूप से पीलीभीत जिले के करेली थाना क्षेत्र के रामपुर बसंत गांव का रहने वाला था।

बेहतर जीवन की तलाश में करीब 22 साल पहले परिवार निगोही आकर बस गया था। मेहनत-मजदूरी कर परिवार ने जैसे-तैसे जीवन पटरी पर लाया था, लेकिन गुरुवार का यह हादसा सब कुछ छीन ले गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और परिजनों को घटना की जानकारी दी।इस दर्दनाक हादसे के बाद सबसे मार्मिक स्थिति बड़ी बेटी प्रियांशी की है, जो अब परिवार में अकेली बची है।

माता-पिता, भाई और बहन को खोने के बाद वह गहरे सदमे में है और लगातार बिलख रही है। मोहल्ले में सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम है। आसपास के लोग और रिश्तेदार बच्ची को ढांढस बंधाने में जुटे हैं, आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे।

डीएम के तेवर देख कांपे लेखपाल, बीकापुर में 9 का वेतन रोका

फार्मर रजिस्ट्री में सुस्ती पड़ी भारी, एसडीएम श्रेया ने दिखाई सख्ती

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। नवागत जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के सख्त तेवर अब असर दिखाने लगे हैं। बीकापुर तहसील में फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए एसडीएम श्रेया ने बड़ी कार्रवाई कर 9 लेखपालों का अप्रैल माह का वेतन रोक दिया।तहसील क्षेत्र के 10 राजस्व गांवों में काम संतोषजनक न मिलने पर राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया। कार्रवाई की जद में आए लेखपालों में मनीरत्न दुबे, शिवकुमार, सुशील शर्मा, अंकुश वर्मा, गिरीश राय, रामावतार वर्मा, हरिओम, सुरेंद्र वर्मा और भीमसेन शामिल हैं। प्रशासन का साफ संदेश है कि सरकारी योजनाओं में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी। जिलाधिकारी की सख्ती के बाद तहसील कर्मियों में बेचैनी बढ़ गई है और अब फाइलों की रफ्तार अचानक तेज होती दिखाई दे रही है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला: बिना अपमान की मंशा जाति से पुकारना अपराध नहीं

» एससी/एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर सख्ती, साक्ष्य के अभाव में कार्यवाही रद्द

» लंबित मुकदमे के आधार पर चरित्र प्रमाण पत्र रोकना गलत, पुलिस को दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि बिना अपमान की मंशा के किसी व्यक्ति को उसकी जाति से पुकारना एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने अमय पांडेय व अन्य की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत चल रही कार्यवाही को रद्द कर दिया, हालांकि मारपीट और गाली-गलौज के आरोपों में मुकदमा जारी रहेगा।सुनवाई के दौरान याचियों के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि एफआईआर अज्ञात के खिलाफ दर्ज की गई थी और उसमें जातिगत टिप्पणी का कोई उल्लेख नहीं था। बाद में बयान में यह आरोप जोड़ा गया, लेकिन उसके समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया गया।

कोर्ट ने पाया कि मेडिकल रिपोर्ट भी अभियोजन के दावे की पुष्टि नहीं करती। ऐसे में न्यायालय ने माना कि जातिगत विवाद का कोई स्पष्ट आधार नहीं है और इस एक्ट का प्रयोग संदिग्ध परिस्थितियों में किया गया है।एक अन्य मामले में हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आपराधिक मामला लंबित होने के आधार पर किसी का चरित्र प्रमाण पत्र रोका नहीं जा सकता। न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने प्रशासन को निर्देश दिया कि नवीनतम शासनादेश के अनुसार याची को दो सप्ताह के भीतर चरित्र प्रमाण पत्र जारी किया जाए। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक निर्णय कानून और नियमों के अनुरूप ही होना चाहिए, न कि केवल लंबित मामलों के आधार पर।

पत्रकार से अभद्रता पर फूटा गुस्सा, कार्रवाई न होने पर धरने की चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। गांधी पार्क में इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस से जुड़े पत्रकारों ने पत्रकार कुशल चन्द्र मिश्र के साथ कथित अभद्रता के विरोध में प्रदर्शन किया।

पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. डीके सिंह पर कार्रवाई की मांग की।

आरोप है कि खबर के संबंध में जानकारी लेने पर डॉक्टर ने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी। पत्रकारों ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए चेतावनी दी कि कार्रवाई न होने पर धरना दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में कुशल चन्द्र मिश्र, सुबोध श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव अज्जू, आकाश सोनी, ज्ञानेंद्र मिश्रा, रुपेश श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार दूबे, महेंद्र, प्रशांत, नरेंद्र मिश्रा, क्षितिज साधवानी, आशु श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, राहुल मिश्रा, मनोज शर्मा, लव कुमार पांडेय, खलीद रसीद, संदीप श्रीवास्तव, विपिन पांडेय, राकेश सिंह, महेश शंकर, बिस्मिल्लाह खान बिस्मिल, गुलजार खान और डॉ. अंशुमान मित्रा समेत कई पत्रकार मौजूद रहे।

फर्जी मुहर से 17 लाख पार! अयोध्या में ठेकेदारी या सरकारी खजाने पर 'सिस्टमेटिक डकैती'?

पीडब्ल्यूडी के जेई के नकली हस्ताक्षर से एफडी तोड़ने का आरोप, चर्चित ठेकेदार पर दर्ज हुआ मुकदमा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में विकास कार्यों के नाम पर चल रहे खेल की एक और परत खुल गई है। इस बार मामला सीधे सरकारी दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर लाखों रुपये निकालने का है। काफी समय से चर्चा में रहने वाले ठेकेदार करुणाकर पांडे उर्फ बंबू पांडे के खिलाफ कोतवाली नगर में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

आरोप है कि ठेकेदार ने पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर की फर्जी मुहर और नकली हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर करीब 17 लाख रुपये की एफडी धरोहर राशि संबंधित बैंक से निकलवा ली। यानी सरकारी सिस्टम को ऐसा चकमा दिया गया कि असली और नकली का फर्क तक दब गया। मुकदमा पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड-4 के खंडीय कैशियर संतोष कुमार की तहरीर पर दर्ज हुआ है।

मामले में ठेकेदार की फर्म मेसर्स मीरा एसोसिएट बिल्डर्स एंड ट्रेडर्स का नाम सामने आया है।

सबसे बड़ा सवाल अब यही उठ रहा है कि क्या इतना बड़ा खेल अकेले संभव था? क्या बैंक और विभागीय स्तर पर किसी ने दस्तावेजों की जांच नहीं की? या फिर सिस्टम के भीतर बैठे कुछ चेहरे इस पूरे खेल को सुविधा देते रहे? अयोध्या में विकास परियोजनाओं पर करोड़ों खर्च हो रहे हैं, लेकिन अब सवाल उठने लगा है कि कहीं विकास की आड़ में सरकारी खजाने पर संगठित सेंध तो नहीं लगाई जा रही?

फिलहाल मुकदमा दर्ज हो चुका है, लेकिन नजर अब इस बात पर है कि जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रहती है या फर्जीवाड़े के पीछे छिपे पूरे नेटवर्क तक पहुंचती है। हालांकि जब इस सम्बंध में आरोपी ठेकेदार से जानकारी चाही गयी तो उनका कहना था उन्हें एफआईआर की कोई जानकारी नही है। पता करके बताएंगे।

ब्लड मैन के जन्मदिन पर लगेगा रक्तदान शिविर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनपद में चलते-फिरते ब्लड बैंक के नाम से मशहूर और ब्लड मैन कहलाने वाले सुशोभित डॉ आशीष पांडेय दीपू के जन्मदिवस 1 मई 2026 को अयोध्या नगर रीडगंज स्थित कोहिनूर पैलेस होटल में सैकड़ो की संख्या में युवा रक्तदान करेंगे एवं सम्मान समारोह के माध्यम से अयोध्या जनपद के प्रमुख चिकित्सकों, शिक्षाविदों एवं रक्तदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। ज्ञात हो कि डॉक्टर आशीष पांडेय दीपू स्वयं 51 से ज्यादा बार रक्तदान कर चुके हैं एवं जनपद में ब्लड मैन के नाम से जाने जाते हैं। डॉक्टर आशीष पांडेय ÷दीपू÷ अयोध्या के दो बार के पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय जी के पुत्र हैं एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी संकल्पसंस्थान के माध्यम से जन सेवा के कार्यों में लगे रहते हैं।

छात्रा को 'सबक' सिखाने के लिए कर दिया फेल!

अभद्रता की शिकायत पिता से क्या की, प्रबंधक ने प्रैक्टिकल में दिलवा दिए 2 और 4 नंबर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। अयोध्या में शिक्षा व्यवस्था पर शर्मनाक सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि आजाद इंटर कॉलेज पलिया जगमोहन सिंह कुचेरा की हाईस्कूल छात्रा ने प्रबंधक की कथित अभद्रता की शिकायत अपने पिता से कर दी, तो उसे ÷सबक÷ सिखाने के लिए बोर्ड परीक्षा में प्रैक्टिकल के नंबर ही काट दिए गए।पीड़ित छात्रा का आरोप है कि प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक देव कुमार यादव उर्फ बिल्लू ने पहले धमकी दी और फिर प्रयोगात्मक परीक्षा में किसी विषय में 2 तो किसी में 4 नंबर दिलवाकर उसे फेल करा दिया।

एक साल बर्बाद होने से छात्रा और परिवार सदमे में है। मामला जब डीआईओएस पवन कुमार तिवारी तक पहुंचा तो उन्होंने तत्काल जांच बैठाते हुए प्रधानाचार्य को तलब किया। पहले तो ÷साजिश÷ पर पर्दा डालने की कोशिश हुई, लेकिन सख्ती बढ़ी तो मामला ÷कंप्यूटर त्रुटि÷ बता दिया गया। सवाल बड़ा है क्या अब स्कूलों में शिक्षा नहीं, निजी अहंकार का हिसाब चुकता होगा?

जलभराव रोकेगें, छोटे व बड़े नालों की सफाई 31 मई से पहले होगी पूरी

महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी व नगर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा है कि आगामी 31 मई तक नालों की सफाई व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित कर ली जाए, ताकि बरसात के दौरान जल भराव की समस्या पर काबू पाया जा सके। वह नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ नगर निगम के स्वास्थ्य एवं निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पार्षदों से संपर्क कर एवं स्थानीय नागरिकों से फीडबैक लेकर बरसात के दौरान रास्तों पर जल भराव के संभावित स्थलों को चिन्हित कर लें, जहां आवश्यकता हो, वहां राबिस भर दें ताकि जल भराव के दौरान लोगों को आवागमन में दिक्कत ना हो। उन्होंने जल निकासी के लिए आवश्यकता अनुसार छोटी ड्रेनेज का निर्माण कराने एवं पंप लगाने के लिए स्थलों को चिह्नित कर समय से प्रक्रिया पूरी कर लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों का बीट निर्धारित कर रोस्टर जारी कर दिया जाए और इसकी नियमित समीक्षा की जाए।

नगर आयुक्त ने नाला सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों को 24 घंटे के बाद हटाए गए सिल्ट हटाने का निर्देश दिया। नगर क्षेत्र में 154 बड़े एवं 245 छोटे नालों की सफाई की जानी है। समीक्षा बैठक में महापौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण को गंभीरता से लेने और आम नागरिकों से फीडबैक लेकर खामियों को दूर करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, महाप्रबंधक जलकल सौरभ श्रीवास्तव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडे आदि मौजूद थे।

पंजीकरण न कराने पर होगी कार्रवाई

नगर निगम ने समीक्षा बैठक में सेप्टी टैंक की सफाई करने वाली निजी संस्थाओं को पंजीकरण कराने के लिए एक सप्ताह की मोहलत दी है। कहा है कि ऐसा न करने पर जांच कराकर अवैध रूप से संचालित संस्थाओं पर कार्रवाई की जाएगी। हैदरगंज सेप्टी टैंक दुर्घटना को देखते हुए नगर निगम का यह कदम आवश्यक माना जा रहा था।

हर वार्ड में पांच चरही की होगी स्थापना

पशु पक्षियों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने ठोस पहल की है। उसने प्रत्येक वार्ड में पांच-पांच चरही स्थापित करने की योजना बनाई है। नगर आयुक्त ने समीक्षा बैठक के दौरान चरही स्थापित किए जाने वाले स्थान पर पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जलकल विभाग को दिए हैं।

बिना ट्रीटमेंट के नदी-नालों में गंदा पानी डालने पर नगर निगम सत

नगर आयुक्त ने यश पेपर मिल को चेतावनी जारी करने का निर्देश दिया है। बैठक में बताया गया कि मिल से निकलने वाला गंदा पानी बिना ट्रीटमेंट के नालों के माध्यम से सरयू नदी में डाला जा रहा है। जनशिकायत को देखते हुए नगर आयुक्त ने अधिकारियों को इसकी जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों का सम्मान, एसपी ग्रामीण ने दी विदाई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। गुरुवार को सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

इस अवसर पर बलवंत चौधरी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर पुलिस विभाग में उनके योगदान की सराहना की।एसपी ग्रामीण ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि पुलिस विभाग में उनकी सेवाएं सदैव याद रखी जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान भावुक माहौल भी देखने को मिला। सेवानिवृत्त होने वालों में निरीक्षक रेडियो रेवती रमन सिंह, उपनिरीक्षक शिव पूजन सिंह, महिला उपनिरीक्षक मुन्नी देवी, मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार मिश्र तथा श्रीराम सिंह शामिल रहे।

मध्य पूर्व में फिर बढ़ा तनाव

ईरान को इजरायल की चेतावनी हिजबुल्लाह पर सख्ती के संकेत

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। मध्य पूर्व एक बार फिर तनाव की आग में घिरता नजर आ रहा है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती तल्खी ने क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने साफ शब्दों में संकेत दिया है कि यदि ईरान की ओर से खतरा जारी रहता है तो उसके खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। एक सैन्य समारोह में दिए गए उनके बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इजरायल अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार का समझौता करने के मूड में नहीं है।

काट्ज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहा रणनीतिक समन्वय केवल वर्तमान हालात तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य भविष्य में ईरान को किसी भी तरह के खतरे के रूप में उभरने से रोकना है। उन्होंने यह भी दोहराया कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक होने पर कठोर और निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। उनके इस बयान को क्षेत्र में संभावित सैन्य गतिविधियों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए उसे 'समझदारी' दिखाने की सलाह दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान को गैर-परमाणु समझौते की दिशा में जल्द आगे बढ़ना चाहिए, अन्यथा उसके लिए परिस्थितियां और कठिन हो सकती हैं। ट्रंप के इस बयान से यह संकेत मिलता है कि अमेरिका भी ईरान के खिलाफ अपने रुख को नरम करने के बजाय और सख्त करने की तैयारी में है।

➪ **इजरायल ने दोहराई सैन्य कार्रवाई की चेतावनी, अमेरिका का भी कड़ा रुख**

➪ **लेबनान सीमा पर बढ़ी हलचल, हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी**

ईरान पर दबाव की रणनीति

अमेरिका और इजरायल की संयुक्त रणनीति का मुख्य उद्देश्य ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं को सीमित करना है। यह दबाव कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर बनाया जा रहा है।

हिजबुल्लाह फैक्टर

लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह, ईरान का करीबी सहयोगी माना जाता है। ऐसे में इजरायल की कार्रवाई केवल सीमित नहीं बल्कि व्यापक क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

क्या होगा वैश्विक असर

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने का सीधा असर तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक सुरक्षा पर पड़ सकता है, जिससे दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं।

युद्ध की आशंका कितनी वास्तविक?

हालांकि दोनों पक्ष सीधे युद्ध से बचना चाहते हैं, लेकिन लगातार बढ़ते हमले और बयानबाजी किसी भी समय बड़े संघर्ष का रूप ले सकते हैं।

इसी बीच लेबनान सीमा पर भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। इजरायली सेना के प्रमुख ने स्पष्ट कर दिया है कि हिजबुल्लाह के साथ किसी भी प्रकार का युद्धविराम लागू नहीं है और सेना को पूरी तरह सतर्क रहते हुए कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। हाल के दिनों में ड्रोन हमलों और जवाबी कार्रवाइयों ने सीमा क्षेत्र को बेहद संवेदनशील बना दिया है।

इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाने और सीमा पर सुरक्षा बफर जोन बनाए रखने की रणनीति अपनाई है। यह संकेत देता है कि इजरायल किसी भी संभावित हमले को पहले ही निष्क्रिय करने के प्रयास में जुटा है। कुल मिलाकर, मध्य पूर्व में मौजूदा हालात आने वाले दिनों में और अधिक गंभीर रूप ले सकते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर भी चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

9 शव बरामद, कई अब भी लापता, खराब मौसम में क्रूज संचालन पर उठे सवाल, सुरक्षा इंतजामों में भारी लापरवाही के आरोप

बरगी बांध क्रूज हादसा: मां की आखिरी ममता बनी अमर, सीने से चिपके बेटे संग मिला शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जबलपुर/बरगी। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी बांध में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। हादसे के बाद से जारी राहत और बचाव कार्य के बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दीं. एक 29 वर्षीय मां अपने 4 साल के मासूम बेटे को सीने से जकड़े हुए मृत अवस्था में मिली। यह दृश्य ममता के उस आखिरी आलिंगन की कहानी कह गया, जो हमेशा के लिए अमर हो गया।

प्रशासन के मुताबिक अब तक 9 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। शुक्रवार को दो और शव मिलने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई है। घटनास्थल पर एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

जांच के आदेश, जिम्मेदारों पर गिरेगी गाज?

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। शुरुआती जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और संचालन में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। अब सवाल यह है कि क्या इस दर्दनाक हादसे के दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी जांच के दायरे में ही सिमट कर रह जाएगा। बरगी बांध का यह हादसा सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि उन सवालों का आईना है जो हमारी सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदारी पर खड़े होते हैं। मां के उस आखिरी आलिंगन ने पूरे देश को झकझोर दिया है और शायद यही दर्द अब जवाब भी मांग रहा है।

सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल

हादसे को लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। आरोप है कि खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद क्रूज को सैलानियों के साथ बांध में उतारा गया। इतना ही नहीं, क्रूज पर केवल एक ऑपरेटर और एक असिस्टेंट मौजूद थे। यात्रियों को पहले से पर्याप्त लाइफ जैकेट भी उपलब्ध नहीं कराई गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब क्रूज डूबने लगा तो यात्रियों ने आपस में ही जैकेट बांटकर जान बचाने की कोशिश की।

परिजनों में आक्रोश, प्रशासन पर आरोप

हादसे के बाद मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। कई परिजनों ने इसे 'गैर इरादतन हत्या' करार देते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सवारियों की संख्या पर संशय

सूत्रों के अनुसार हादसे के वक्त क्रूज में करीब 40 लोग सवार थे, लेकिन टिकट रिकॉर्ड में केवल 29 वयस्कों का ही उल्लेख है। बताया जा रहा है कि बच्चों के टिकट नहीं लिए जाते थे, जिससे कुल सवारियों की सटीक संख्या अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। यह लापरवाही अब जांच का बड़ा मुद्दा बन गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com